Paper Clippings Year 2000

Rakhi Das – 1st Ranker in MP & CG

मध्यप्रदेश पी.एस.सी. परीक्षा 1998–1999 में सर्वोच्च स्थान पर चयनित कुमारी राखीदास

प्रतियोगिता दर्पण, जुलाई 2000

प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी के लिए एच्छिक विषयों एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों के अध्ययन के पश्चात् प्रि एवं मेन्स दोनों ही परीक्षाओं की तैयारी भोपाल के युनीक स्टडी सर्कल के निर्देशन में की ।

Sanjeev Dubey

प्रावीण्य सूची में आठवां स्थान नवभारत भोपाल 29 मई 2000

मैने युनीक स्टडी सर्कल हर्षवर्धन नगर के प्रबंध निर्देशक आदरणीय श्री गौरव मारवाहा के निर्देशन में मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी की । युनीक स्टडी सर्कल प्रदेश की एक मात्र संस्था है जो समूह अध्ययन, पुस्तकालय, एजुकेशनल टूर्स, पत्रिकाएँ, साप्ताहिक व मासिक परीक्षण द्वारा अध्यापन का कार्यक्रम बनाती है।

Paper Clippings Year 2001

Bidisha Mukherjee – 1st Ranker in M.P. & C.G. 29 मई 2001

मेरी अपनी सच्ची लगन, परिवारजनों का सहयोग व युनीक आई.ए.एस. स्टडी सर्कल भोपाल के गौरव मारवाह का सक्षम निर्देशन एवं सशक्त मार्गदर्शन ही मेरी सफलता का श्रेय है।

Ajeeja Ashraf – 3rd Ranker in M.P. & CG जनवरी 2001

मैनें अपनी पूर्ण तैयारी प्री.मेन एवं साक्षात्कार की युनीक आई.ए.एस. कोचिंग के श्री गौरव मारवाहा के निर्देशन में की व उन्हीं के प्रोत्साहन से विजय श्री हासिल की ।

दैनिक भास्कर भोपाल 4 जून 2003

Prashant Tripathi – 117 – Ranker in India

युनीक स्टडी सर्कल नामक प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन संस्थान के छात्र प्रशांत त्रिपाठी ने वर्ष 2002 में संघ लोक सेवा अयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में 117 वां स्थान प्राप्त किया है। श्री त्रिपाठी अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, मित्रों का सहयोग तथा यूनीक स्टडी सर्कल से प्राप्त मार्गदर्शन को दिया है।

V.S. Jadon – 164th Ranker in India

सम्मान बधाई दैनिक भास्कर भोपाल 24 अगस्त 2003

वी.एस. जादौन :– युनीक स्टडी के छात्र बी. एस. जादौन का चयन आई.ए.एस की अंतिम परीक्षा के लिए किया गया है।

Paperclippings Year 2005

प्रदेश के चुनिन्दा शिक्षकों में से एक है गौरव मारवाहा

दैनिक भास्कर, भोपाल 26 मई 2005

राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शन के क्षेत्र में कार्यरत युनीक स्टडी सर्कल के गौरव मारवाहा एक जाना माना व्यक्तित्व है। उनके मार्गदर्शन में हजारों छात्र अपने इच्छित मुकाम पर पहुचें हैं । विद्यार्थियों के बौद्धिक, मानसिक एवं तार्किक शक्ति को अधिकतम स्तर पर विकसित करना उनकी खास योग्यता है। जबलपुर शासकीय कॉलेज से बी.ई. श्री मारवाहा का चयन भारतीय नौसेना की प्रथम वर्गीय अधिकारी के रूप में हुआ किन्तु पारिवारिक परिस्थितियों के चलते उन्होंने इस नौकरी का त्याग कर दिया तथा शिक्षण के क्षेत्र में कदम रखा। पिछले 2000 एवं 2001 की मध्यप्रदेश की लोकसेवा परीक्षा में संस्था के विद्यार्थियों ने ही प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनका मानना है कि प्रतिभा की कोई परिभाषा नहीं होती तथा उसे पहचानने एवं उसके विकास का कार्य एक अनुभवी शिक्षक ही कर सकत है।

ध्येय आकाश की सीमाओं से भी परे

नवभारत, भोपाल 22 मई 2005

अभी हाल ही में युनीक आई.ए.एस स्टडी सर्कल के एक विद्यार्थी तरूण कुमार पिथौड़े ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इन्जीनियरिंग सर्विस में भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया । शैक्षणिक मार्गदर्शक के अतिरिक्त संस्था के संचालक श्री मारवाहा एक अच्छे साहित्य विचारक भी हैं एवं सर्वप्रथम भोपाल में कैरियर कॉलम की संकल्पना इन्होंने शुरू की एवं अभी तक 750 आर्टीकल कैरियर पर लिखने का श्रेय प्राप्त है।

प्रशासनिक अधिकारी तैयार करते हैं मारवाहा

दैनिक जागरण भोपाल 31 दिसंबर 2005

हमारे देश की शिक्षा पद्धति में अध्ययन अध्यापन पद्धति और परीक्षा पद्धति का बहुत अच्छा महत्व है। इसमें गुरू की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है गुरू द्वारा दी गई अच्छी शिक्षा किसी छात्र को हीरा बना सकती है तो निम्न स्तर की शिक्षा उसे गुमराह कर सकती है भोपाल में युनीक आई.ए.एस. के निर्देशक गौरव मारवाहा (बी.ई.) का नाम हीरे तराशने के लिए जाना जाता है। उनके द्वारा तराशे गये कितने ही आई.पी.एस., आई.ए.एस. देश के प्रमुख प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं। वे मध्यप्रदेश की संस्था पी.ई.टी.सी. में सामान्य ज्ञान एवं ऐच्छिक विषय के अतिथि व्याख्याता भी हैं ।

Tarun Pithore – 1st Ranker in India

भाग्य से अधिक कर्म पर विश्वास

नव भारत, भोपाल 17 मई 2005

इंजीनियरिंग प्रतियोगी परीक्षा में यह मेरा प्रथम प्रयास था इसमें एक पेपर सामान्य ज्ञान का था जो मैंने पूर्व में ही यूनीक आई.ए.एस. स्टडी सर्किल में श्री गौरव मारवाहा के निर्देशन में पूर्णत: तैयार कर लिया था। व इस विषय में अलग से कुछ भी करने की आवश्यकता प्रतीत नहीं हुई।

Rajeshwari Mahovia - DSP

सफलता का सूत्र कड़ी मेहनत

दैनिक भास्कर भोपाल 24 नवंबर 2005

यूनीक आई.ए.एस स्टडी सर्कल की छात्रा राजेश्वरी महोविया मध्यप्रदेश की पी.एस.सी. परीक्षा 2005 में डी.एस.पी. के पद पर चयनित हुई है जिन्होंने अपनी सफलता हेतु युनीक संस्थान से मिले मार्गदर्शन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है।

Nanda Bhalave - Dy. Collector

यूनिक आई.ए.एस. की छात्रा नंदा भलावे राज्य पी.एस.सी. में चयनित

दैनिक भास्कर भोपाल 20 दिसंबर 2005

प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन संस्था युनिक आई.ए.एस. स्टडी सर्कल की छात्रा नंदा भलावे ने मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की। परीक्षा में सफलता हेतु उन्होंने कड़ी मेहनत बड़ों का आशीर्वाद तथा युनिक स्टडी सर्कल के शिक्षकों से मिले मार्गदर्शन को श्रेय दिया है।

यूनिक आई.ए.एस. स्टडी. सर्कल

दैनिक सांध्य प्रकाश भोपाल 30 जनवरी 2006

युनीक आई.ए.एस. स्टडी सर्कल का संचालन 150 एल.आई.जी., हर्षवर्धन नगर, भोपाल से होता है । स्टडी सर्कल के संचालक गौरव मारवाहा हैं। उनके मार्गदर्शन में छात्रों ने प्रतियोगिता परीक्षाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। कैरियर, व्यक्तित्व पर वे समय समय पर आलेख लिखते रहे हैं । श्री मारवाहा आल इण्डिया स्तर पर विश्वविद्यालयीन परीक्षा के लिए पेपर सेट करने हेतु अधिकृत हुए हैं।

Rajeev Singh 35th Ranker in India

श्री गौरव मारवाहा प्रशासनिक प्रतियोगी परीक्षा के जाने माने शिक्षाकों में हैं एवं इनके मार्गदर्शन में मैंने आत्मविश्वास एवं सफलता प्राप्त की।

Sidhharth Bodade – 393rd Ranker in India

यूनीक स्टडी सर्किल के सफल विद्यार्थी बोडाडे

दैनिक सांध्य प्रकाश भोपाल 7 दिसंबर 2006

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा में युनीक आई.ए.एस. स्टडी सर्कल भोपाल के विद्यार्थी सिद्धार्थ बोडाडे सिविल लेख सेवा (आई.सी.ए.एस.) में चयनित हुए वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के अलावा युनीक आई.ए.एस. के संचालक गौरव मारवाहा को देते हैं वे कहते हैं मैने अपने आवश्यक विषय सामान्य ज्ञान एवं एच्छिक विषय लोक प्रशासन दोनों की ही स्टडी युनीक आईएएस स्टडी सर्कल में श्री मारवाहा के निर्देशन में की ।

Manish Thakur – CJ Selected in 2007

युनिक आई.ए.एस स्टडी सर्कल हर्षवर्धन नगर, भोपाल प्रतियोगी परीक्षा संबंधित अग्रणी मार्गदर्शक संस्था है सन् 2007 में संस्था के तीन छात्र सुश्री विनीता भटनागर, सुश्री सविता वर्मा एवं श्री मनीष ठाकुर ने कहा ::इस परीक्षा के जनरल स्टडी के विषय में मुझे कुछ अनुभव नहीं था, परंतु श्री गौरव मारवाहा सर के मार्गदर्शन में मुझे इस विषय की तैयारी से आत्मविश्वास आया।''

Umrao Singh – 1th Ranker in M.P. & CG

युनिक आई.ए.एस. प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु एक अग्रणी संस्था है एवं उसके संस्थापक श्री गौरव मारवाहा छात्रों के प्रति व्यक्तिगत रूचि लेकर उनका मार्गदर्शन करते हैं। एजुकेशनल टूर्स विभिन्न पत्रिकाओं व पुस्तकों का चयन एवं सशक्त ग्रुप डिस्कशन के माध्म से छात्रों में आत्मविश्वास जगाना उनका सशक्त प्रयास है।

Sheela Dahema – 13th Ranker in M.P. & CG

मैने धैर्यपूर्वक 7–8 घण्टे प्रतिदिन अध्ययन किया एवं यूनीक आई.ए.एस. के श्री गौरव मारवाहा व अन्य शिक्षकों के प्रोत्साहन से सफलता प्राप्त की।

टापर्स टिप्स – तरुण कुमार पिथौड़े – यूपीएससी में देश में सातवां स्थान

दैनिक जागरण 22 मई 2009

यह मेहनत की जीत है। उन्होंने युनीक आई.ए.एस. में जी.एस. की कोचिंग की जिसका उनको लाभ मिला।

सफलता का मूल मंत्र

भाग्य से अधिक कर्म पर विश्वास

रोजगार और निर्माण 22 मई 2009

समय वह अध्ययन "लक्ष्य के प्रति समर्पण, माता पिता का योगदान, यूनीक आई.ए.एस. के संचालक गौरव मारवाहा का योगदान मेरी सफलता का मूल मंत्र है।"

गौरव मारवाहा का गौरवशाली व्यक्तित्व

पत्रिका, 21 फरवरी 2009

गौरव मारवाहा संचालक युनीक आई.ए.एस. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु जाना माना नाम है उनके मार्गदर्शन में हजारों विद्यार्थी इच्छित गन्तव्य तक पहुँचे हैं।